06-04-2022

NSI to conduct training programmes from May 23

PNS ■ KANPUR

National Sugar Institute (NSI), Kanpur has volunteered to help the UP Cooperative Sugar Factories Federation Ltd for improving the knowledge level of technical staff working in sugar factories. Discussions in this regard were held between Director, Narendra Mohan, Sanjay Bhoosreddy, Cane and Sugar Commissioner, Additional Chief Secretary, Sugar Industry and Cane Development Department and Rama Kant Pandey, Managing Director, UP Cooperative Sugar Factories Federation Ltd.

NSI Director, Prof Narendra Mohan informing about the technical sessions to be taken up by institute on Tuesday. Pioneer

According to the decision taken during the discussions, NSI had put up a proposal for conducting short term training programmes for various categories of technical staff for which an in principle approval had been received by the Institute.

Mohan said that UP Cooperative Sugar Factories Federation was making efforts to improve the productivity of Federation factories, their modernisation and setting up of power export and ethanol units. He said thus it was important that knowledge level of technical staff was increased and they may be given knowledge about latest techniques of sugar, power and ethanol production.

Besides this their knowledge is to be updated with respect to quality control, automation, chemical control and byproduct utilisation. He said NSI from May 23 to July 1, 2022, shall conduct six specially designed training programmes at the institute in which more than 100 technical personnel of UP Cooperative Sugar Factories Federation Ltd. shall participate.

He said apart from theoretical and practical training, exposure in unit operations shall also be provided to the participants at the Experimental Sugar Factory and Ethanol Unit at the Institute.

He said the institute was confident that this training programme shall help in improving efficiency of sugar factories of the Federation and harnessing the potential of by-products in a better way.

चीनी मिलों की दक्षता बढ़ाने के लिए यूपी सहकारी चीनी मिल प्रयत्नशील है

कानपुर (नगर छाया समाचार)। उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी संघ लिमिटेड, उ. प्र. स्थित अपनी चौबीस चीनी मिलों में कार्यरत तकनीकी स्टाफ की दक्षता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का सहयोग लेगा। इस सन्दर्भ में एक वार्ता श्री संजय भूसरेड्डी, अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग एवं गन्ना आयुक्त ; श्री रमाकांत पाण्डे, प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी संघ लिमिटेड एवं श्री नरेन्द्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के मध्य हुई थी। वार्ता में लिये गये निर्णय के अनुसार संस्थान द्वारा विभिन्न श्रेणियों के तकनीकी स्टाफ हेतु अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव संघ को भेजा गया था, जिसकी सैद्धान्तिक सहमति संस्थान को प्राप्त हो गयी है।

संस्थान के निदेशक, श्री नरेन्द्र मोहन ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल लिमिटेड अपनी चीनी मिलों की दक्षता बढ़ाने, उनका आधुनिकीकरण करने एवं चीनी मिलों के साथ पावर जनरेशन एवं एथेनॉल इकाइयाँ लगाने हेतु प्रयत्नशील है। इसके लिए आवश्यक है कि संघ की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीकी स्टाफ के ज्ञान का स्तर बढ़ाया जाये एवं उनको वर्तमान में प्रचलित चीनी, बिजली एवं एल्कोहॉल के उत्पादन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी के साथ-साथ नवीनतम मशीनरी के बारे में जानकारी दी जाये। साथ ही उनको गुणवत्ता नियंत्रण, ऑटोमेशन, केमिकल कन्ट्रोल एवं सह- उत्पादों के बेहतर उपयोग के बारे में विशिष्ट जानकारी भी प्रदान की जाये।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान दिनांक 23 मई 2022 से 1 जुलाई 2022 तक छः विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संस्थान में आयोजित करेगा,जिसमें उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड के लगभग 100 से अधिक तकनीकी कर्मी भाग लेंगे। प्रतिभागियों को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान के अतिरिक्त संस्थान की प्रायोगिक चीनी मिल एवं एथेनॉल यूनिट में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी श्री डॉक्टर स्वेन, आचार्य शर्करा अभियान्त्रिकी ने बताया कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संघ की चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने एवं सह-उत्पादों का बेहतर प्रयोग करने में सहायक होंगे।

सहकारी चीनी मिलों के तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षित करेगा शर्करा संस्थान

कानपुर (एसएनबी)। उप्र सहकारी चीनी संघ लिमिटेड, उप्र अपनी 24 मिलों में कार्यरत तकनीकी स्टाफ की दक्षता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का सहयोग लेगा। संस्थान निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन की प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चीनी उद्योग संजय भूसरेड्डी व उप्र सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड के एमडी रमाकांत पांडेय के बीच इस संदर्भ में वार्ता हुई थी। इस पर शर्करा संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों के तकनीकी स्टाफ हेतु अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसकी सैद्धांतिक सहमति संस्थान को प्राप्त हो गई है।

निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया सहकारी चीनी मिल लिमिटेड अपनी चीनी मिलों की दक्षता बढ़ाने, उनका आधुनिकीकरण करने एवं चीनी मिलों के साथ पावर जनरेशन और एथेनॉल इकाईयां लगाने हेतु प्रयत्नशील है। इसके लिए आवश्यक है कि चीनी मिलों के तकनीकी स्टाफ का ज्ञान स्तर बढ़ाया जाय और उन्हें नवीनतम तकनीकों के साथ नवीनतम मशीनों की जानकारी दी जाय।

संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

जून से जुलाई के बीच संचालित किये जायेंगे छह विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 23 जून से 1 जुलाई तक छह विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा, जिसमें संबद्ध चीनी मिलों के 100 से अधिक तकनीकी स्टाफ भाग लेंगे। उन्हें संस्थान के प्रायोगिक चीनी मिल एवं एथेनॉल यूनिट में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी डॉ.स्वेन ने विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने एवं सह-उत्पादों को बेहतर प्रयोग करने को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

चीनी मिलों के स्टाफ को प्रशिक्षण देगा एनएसआई

कानपुर। चीनी मिलों की दक्षता बढ़ाने के नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) मिलों के स्टाफ को प्रशिक्षण देगा। इन्हें गन्ने की खोई से बिजली और अल्कोहल बनाने की जानकारी दी जाएगी। इस वक्त ऊर्जा और इथेनॉल उत्पादन के कारण चीनी उद्योगों में अवसर बढ़ रहे हैं। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड अपनी 24 चीनी मिलों के तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षण दिलाएगा। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी, चीनी मिल लिमिटेड के एमडी रमाकांत पांडेय और एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन के बीच वार्ता हुई है। एनएसआई 23 मई से एक जुलाई तक छह विशिष्ट प्रशिक्षणों का आयोजन इंस्टीट्यूट में करेगा। प्रो. नरेंद्र ने बताया कि मिलों के तकनीकी स्टाफ को गुणवत्ता नियंत्रण, ऑटोमेशन, केमिकल कंट्रोल और सह उत्पादों के बेहतर उपयोग के संबंध में जानकारी देने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डी. स्वेन ने बताया कि प्रशिक्षण चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा। (ब्यूरो)

प्रो. नरेंद्र मोहन।